

॥ ॐ अर्हन् ॥

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८

प्रथम खण्ड - मौखिक

सन् २०२२

समय : सुबह ९ से १२

सम्पूर्णांक : ५०

परीक्षा क्रमांक :

केन्द्र का नाम :

(जैन पाठावली - भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए।

(५)

१. जीवन का अनमोल रत्न क्या है?
२. किसकी गौरवगाथा अमर है?
३. पर्यावरण दिन कब होता है?
४. हमारे आस पुरुष कौन हैं?
५. पथ के दर्शक कौन है?

प्रश्न २. हां या ना बताइए।

(५)

१. किसीको संदेह हो ऐसे स्थानपर खडे रहें।
२. आहार कपड़ों पर नहीं गिराएं।
३. रास्ते के दायीं ओर से चलें।
४. बीमार व्यक्ति को रास्ता दे।
५. मातृभाषा में संवाद करें।

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(५)

१. राहें सबकी अलग-अलग हैं, पर जाना सभी को नगर है।
२. आस्था और विश्वास जगाए, गीता, वेद बनाए।
३. When I something, I close it.
४. हर दिन नया आता, मन में नई उमंगें भरता।
५. झंडा ऊंचा रहे हमारा, धर्म का बाजे नगारा।

प्रश्न ४. क्या आप जानते हैं?

(५)

१. किसकी आराधना से आत्मा सर्वज्ञ हो सकती है?
२. अणुव्रतों, महाव्रतों को ग्रहण करना क्या है?
३. किससे सभी जीव अभय को प्राप्त होते हैं?
४. जैन दर्शन का मूल सिद्धांत कौनसा है?
५. किससे इन्द्रियों का दमन होता है?

प्रश्न ५. उचित पर्याय से सुभाषित के पद को पूर्ण कीजिए।

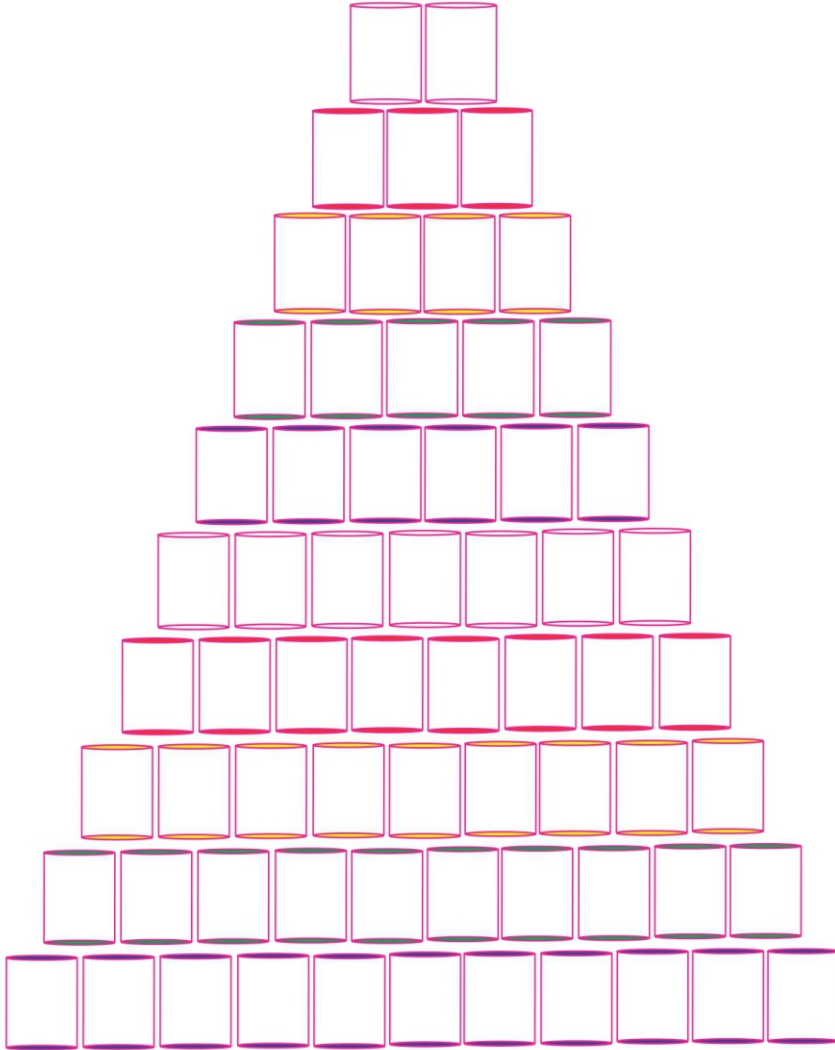
(५)

१. हि भयं वीक्ष्य। (आगतं / स्वागतं)
२. सह समागतात्। (हीनैः / नीचैः)
३. येन सुखं वसेत्। (दिनौ / रात्रौ)
४. प्रज्ञा वर्धयति। (पुण्यं / पापं)
५. धारिभ्यो श्रेष्ठाः। (ग्रन्थिनः / ज्ञानिनः)

- प्रश्न ६ 'देहीति वचनद्वारा.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)
- प्रश्न ७ 'हमें सिखलाओ' कविता पूर्ण बोलिए। (५)
- प्रश्न ८ 'सातवां बोल' पूर्ण बोलिए। (५)
- प्रश्न ९ (१०)

सूचना - नीचे दिए सवालों के जवाब किताब से ढूंढकर यथास्थान लिखिए।

१. किस भाषा में संवाद करें? (४)
२. कैसा आहार करें? (५)
३. सबसे सौंदर्य शाली व्यक्ति कौन थे? (९)
४. किसका फल मीठा होता है? (२)
५. जैन धर्म के किसको समझे? (३)
६. सिद्धशिला का आकार कैसा है? (६)
७. कौन-सी शैली अपनाने से हमारा कल्याण होगा? (७)
८. आगम किस भाषा में है? (८)
९. १४ पूर्वधारी मुनिराज को होने वाला एक काया का योग ? (१०)
१०. लोक चित्र में कौन-सी सूक्ति लिखी है? (११)



श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८

प्रथम खण्ड - लेखी

सन् २०२२

समय : सुबह ९ से १२

सम्पूर्णांक : १००

परीक्षा क्रमांक :

केन्द्र का नाम :

(जैन पाठावली - भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।

(१०)

१. स्थुलिभद्र ने अपनी विद्या से कितने शेर बनाए?
२. Write the name of English Poem.
३. जैन प्रतीक में चक्र किस पर निकाला है?
४. किसके शरीर में १६ महारोग उत्पन्न हुए?
५. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कौन है?
६. जीवन का अनमोल रतन क्या है?
७. किसकी गौरवगाथा अमर है?
८. पर्यावरण दिन कब होता है?
९. हमारे आस पुरुष कौन हैं?
१०. पथ के दर्शक कौन है?

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(१०)

१. राहें सबकी अलग-अलग हैं, पर जाना सभी को नगर है।
२. आस्था और विश्वास जगाए, गीता, वेद बनाए।
३. When I something, I close it.
४. हर दिन नया आता, मन में नई उमंगें भरता।
५. और निडर होकर हम सब ही आनंद मनाएं।
६. मन नंदनवन में रमण करें, यह ऐसा है।
७. उपदेशों को अब हमें करना है आत्मसात।
८. झंडा ऊंचा रहे हमारा, धर्म का बाजे नगारा।
९. मुक्तकंठ से गाते हैं प्राणी, इस की महिमा।
१०. हे! हमपे दया करना।

प्रश्न ३. क्या आप जानते हैं?

(६)

१. किसकी आराधना से आत्मा सर्वज्ञ हो सकती है?
२. अणुव्रतों, महाव्रतों को ग्रहण करना क्या है?
३. किससे सभी जीव अभय को प्राप्त होते हैं?
४. जैन दर्शन का मूल सिद्धांत कौनसा है?
५. किससे इन्द्रियों का दमन होता है?
६. जैन दर्शन का प्राण क्या है?

प्रश्न ४. हां या ना बताइए।

(७)

१. किसीको संदेह हो ऐसे स्थानपर खडे रहें।
२. आहार कपड़ों पर नहीं गिराएं।
३. रास्ते के दायीं ओर से चलें।
४. बीमार व्यक्ति को रास्ता दे।
५. मातृभाषा में संवाद करें।
६. सूर्योदय के बाद सोएं।
७. पिचककर नहीं बैठें।

प्रश्न ५. उचित पर्याय चुनिए।

(१०)

१. वर्ण यथा दुग्धं भिन्नवर्णासु धेनुषु। (एक / भिन्न)
२. धारिभ्यो श्रेष्ठाः। (ग्रन्थिनः / ज्ञानिनः)
३. विरला कुर्वन्ति स्नेहम्। (सधने / निर्धने)
४. दीर्घं श्रान्तस्य। (मिलनम् / योजनम्)
५. मा कश्चिद् भाग भवेत्। (सुख / दुःख)
६. हि भयं वीक्ष्य। (आगतं / स्वागतं)
७. च्छायासमन्वितः। (पुष्प / फल)
८. सह समागतात्। (हीनैः / नीचैः)
९. येन सुखं वसेत्। (दिनौ / रात्रौ)
१०. प्रज्ञा वर्धयति। (पुण्यं / पापं)

प्रश्न ६. ये सीख किस कहानी की है, बताइए।

(८)

१. हर कार्य करने से पूर्व गुरु या बड़ों की आज्ञा लेनी चाहिए।
२. जैन प्रतीक में तीन लोक का स्वरूप दर्शाया है।
३. आगम हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी है।
४. शारीरिक सौंदर्य पर घमंड नहीं करना चाहिए।
५. एकनिष्ठता के लिए साहस होना जरूरी है।
६. मंत्र का उच्चारण शुद्ध और स्पष्ट हो।
७. झंडे को सीधा फहराया जाए।
८. We should work hard to achieve our goals.

प्रश्न ७. नीचे दिया तक्ता पूर्ण कीजिए।

(९)

(शद्धसूची : घ्राणेन्द्रिय, तेजस्, आयुष्य, सत्य, विभंगज्ञान, मतिज्ञान, मिश्रभाषा, वैक्रिय मिश्र, श्वासोच्छ्वास)

शरीर	योग	उपयोग	प्राण
.....
.....
.....

प्रश्न ८. दो उचित पर्याय चुनकर लिखिए।

(१०)

१. जाप के लिए कौनसी दो उंगलियों के बीच माला रखते हैं?
(मध्यमा / अंगुठा / कनिष्का / तर्जनी)
२. चातुर्मास में किसका त्याग करना चाहिए?
(होटल / रत्रिभोजन / नवकारसी / ध्यान)
३. अंबड संन्यासी ने कौनसे रूप लिए थे ? (लक्ष्मी / महावीर / शंकर / सुलसा)
४. जिन किसको जीतते हैं? (धन / दौलत / राग / द्वेष)
५. कौनसे तीर्थंकरों का रंग सफेद है? (८ / ९ / ६ / १२)

प्रश्न ९. निम्नलिखित पदों की व्याख्या लिखिए।

(१०)

१. शरीर :.....
.....
.....
२. आगम:.....
.....
.....
३. जैन :.....
.....
.....
४. मंत्र :.....
.....
.....
५. ज्ञान :.....
.....
.....

प्रश्न १० प्रतिदिन दोहराने के संकल्प क्रमानुसार पूर्ण लिखिए।

(५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न ११ 'देहीति वचनद्वारा.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए।

(५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

सूचना – नीचे दिए सवालों के जवाब किताब से ढूंढकर यथास्थान लिखिए।

१. किस भाषा में संवाद करें? (४)
२. कैसा आहार करें? (५)
३. सबसे सौंदर्य शाली व्यक्ति कौन थे? (९)
४. किसका फल मीठा होता है? (२)
५. जैन धर्म के किसको समझे? (३)
६. सिद्धशिला का आकार कैसा है? (६)
७. कौन-सी शैली अपनाने से हमारा कल्याण होगा? (७)
८. आगम किस भाषा में है? (८)
९. १४ पूर्वधारी मुनिराज को होने वाला एक काया का योग ? (१०)
१०. लोक चित्र में कौन-सी सूक्ति लिखी है? (११)

